सेमिनार | एसोचैम समिट इनोवेशन इन इंडिया अपॉरच्युनिटी एंड चैलेंज विषयक सेमिनार में राज्यपाल ने कहा

झारखंड में हैं माइनिंग, एग्रीकल्चर और फूड प्रोसेसिंग की संभावनाएं

सिटी रिपोर्टर | रांची

राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि झारखंड में माइनिंग, एग्रीकल्चर और फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। प्रदेश के विकास में इनकी अहम भूमिका हो सकती है। इस क्षेत्र से जुड़े उद्यमियों को आगे आना चाहिए। यह प्रदेश खनिज संपदा और संसाधनों के लिए जाना जाता है। अगर इसका सही ढंग से इस्तेमाल किया जाए, तो बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। राज्यपाल शुक्रवार को एसोचैम समिट इनोवेशन इन इंडिया अपॉरच्युनिटी एंड चैलेंज विषयक सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार रख रही थीं। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और आविष्कार किसी भी सामाजिक व्यवस्था की आधारशिला होते हैं। यह समाज के व्यापक स्पेक्ट्रम के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। औद्योगिक उद्यमों को उच्च विकास की गति दिखाने और अपने प्रतिस्पर्धियों से खुद को आगे रखने से नवीनता आती है।

उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों और देश के लोगों को एकीकृत करने के लिए केंद्र सरकार ने इस सप्ताह एक पहल की है, जो डिजिटल भारत के रूप में सामने आया है। यह सरकारी सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिक रूप से कागजी कार्रवाई को कम करने के लिए शुरू किया गया है। होटल बीएनआर चाणक्या में पहले उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर सेमिनार का शुभारंभ किया। इसके बाद एसोचैम पत्रिका नॉलेज रिपोर्ट का विमोचन किया।

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड मुख्य रूप से एक ग्रामीण राज्य है। सरकार यहां के लोगों को आजीविका प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। एचईसी, मेकॉन, बोकारो स्टील, टाटा स्टील और सीसीएल जैसे उद्योगों और कंपनियों ने झारखंड के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एसोचैम पत्रिका नॉलेज रिपोर्ट का विमोचन करतीं राज्यपाल, मानव संसाधन विभाग की सचिव व अन्य।

छिपी प्रतिभाओं को सामने लाना ही इनोवेशन : पटनायक

प्रमुख वक्ता मानव संसाधन विभाग की सचिव आराधना पटनायक ने कहा कि हर दिन जीवन में नए तरीके देखने को मिलते हैं। इनके लिए प्रैक्टिकल और अनुभव की जरूरत होती है। छिपी प्रतिभाओं को सामने लाना ही इनोवेशन है। देखा जाए तो शहरी के बजाए ग्रामीण भारत में अधिक इनोवेशन होते हैं। उन्होंने कहा कि किसी गांव में जाने पर कई चीजें ऐसी देखने को मिलती हैं, जिनके बारे में हमने कभी सोचा ही नहीं होता। हम लाइफ गार्ड डूबने से बचने के लिए बांधते हैं, जबकि गांवों में किसी गाड़ी की ट्यूब या खाली बोतलों को जोड़कर लोग लाइफ गार्ड का काम लेते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में ऐसी शिक्षा प्रणाली की जरूरत है, जो वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता की दृष्टि से लोगों को जोड़े।

सोशल गुडनेस के लिए इनोवेशन जरूरी

बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. जार्ज जॉन ने कहा कि भारत में जुगाड़ प्रक्रिया इनोवेशन का ही रूप है। सोशल गुडनेस के लिए इनोवेशन बहुत जरूरी है। आज दुनिया में साउथ कोरिया इनोवेशन को लेकर ही सबसे ऊपर है। स्कूली बच्चे रोज नए-नए प्रोजेक्ट बनाकर हमें आश्चर्य में डाल देते हैं। कृषि के क्षेत्र में भी इनोवशन बहुत जरूरी है।

इनोवेशन का जीवन पर क्या है प्रभाव, पर हुई चर्चा

हेक्सागॉन एनालिसिस एंड कंसल्टिंग सर्विसेस के मैनेजिंग पार्टनर बाबा ग्रोवर ने इनोवेशन की भूमिकाओं के जीवन पर पड़नेवाले प्रभाव पर प्रकाश डाला। प्रारंभ में फॉर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट दिल्ली के डायरेक्टर डॉ. जीतेंद्र दास ने स्वागत भाषण में विषय प्रवेश कराया। तकनीकी सत्र में आईएफएआई यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ओआरएस राव, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के रवि रेमी, सेंट्रल तसर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के साइंटिस्ट डॉ. वीपी गुप्ता और निफ्ट के डायरेक्टर पीपी चट्टोपाध्याय ने सोशल इनोवेशन प्लेइंग इंपॉर्टेंट रोल इन ह्यूमन लाइफ विषय पर विचार रखे। समापन सत्र में नगर विकास मंत्री सीपी सिंह के अलावा विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों आई टु मास ऑफ एनआईईएल आईटी के हेड गवर्नर डी भाद्रे, प्रिंट एंड पर्सनल सिस्टम ग्रुप ह्वेलैट पैकर्ड इंडिया के कंट्री मैनेजर चिरंजीव बनर्जी ने इनोवेशन पर विचार रखे। एसोचैम के रीजनल डायरेक्टर भरत जायसवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।